Q(1) कांग्रेस की गठबंधन राजनीति की व्याख्या करें।

Ans. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रभुत्व पहली बार 1977 में समाप्त हुआ जब इंदिरा गांधी के नेतृत्व में पार्टी को अन्य सभी बड़े दलों के गठबंधन के कारण हार का सामना करना पड़ा। यह गठबंधन सरकार का भारत में पहली और थी। सन 1992 की हार के बाद कांग्रेस ने भी इसे अपनाया है। सन 2004 में कांग्रेस ने पु की U.P.A ~~गठबंधन~~ गठबंधन की स्थापना की जिसमें वर्तमान में 10 राजनीतिक पार्टियाँ जुड़ी थी। इसके अलावा कांग्रेस विभिन्न विधानसभा चुनावों में क्षेत्रीय पार्टियों के साथ भी गठबंधन बनाती रही है, 2016 में साल उत्तर प्रदेश के 2017 के चुनाव में सपा के साथ गठबंधन इसका उदाहरण है।

Q(2) 1989 के बाद की अवधि में भारतीय राजनीति के मुख्य मुद्दों से राजनीतिक दलों के आपसी जुड़ाव के क्या रूप सामने आए हैं?

Ans- 1989 के बाद की अवधि में भारतीय राजनीति के मुख्य मुद्दों निम्न है।

(1) इस दौर का एक मुद्दा कांग्रेस का सत्ता से हटना था। लोक सभा के आम चुनावों में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा उस चुनाव में महज 197 सीटें मिली। 1991 में फिर से मध्यावधि चुनाव हुए। कांग्रेस की हार होने से गठबंधन की राजनीति शुरू हुई और राजनीतिक दलों का आपसी जुड़ाव बढ़ा

(11) 1989 के बाद के मुद्दों में मंडल मुद्दा बहुत महत्वपूर्ण था। इसमें देश में नया संघर्ष शुरू हो गया और पार्टियाँ वोटों की राजनीति करने लगी। लेकिन अन्य पिछड़े वर्गों के लोगों को भी आरक्षण दिए जाने के

अधिकतर दलों में आपसी जुड़ाव बढ़ा।

(iii) नई आर्थिक नीति को लेकर भी सभी दलों के बीच आम सहमति बनी क्योंकि अधिकतर दलों का मानना था कि नई आर्थिक नीतियों से देश ~~समृद्ध~~ समृद्ध होगा और भारत विश्व की एक आर्थिक शक्ति बनेगा। इस नीति के कारण देश में अनेक दक्षिण पंथी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दल परस्पर जुड़ने लगे।

(iv) दिसम्बर 1992 में कार सेवकों ने अयोध्या में बाबरी मस्जिद को गिरा दिया। जिससे धर्मनिरपेक्षता की नीति पर प्रश्न चिह्न लग गया। यहीं से हिंदुत्व की राजनीति शुरू हुई अनेक दल हिंदुत्व की विचार धारा से सहमत नहीं थे। इस मामले में उनमें आपसी जुड़ाव था।

Q.3 यू. पी० ए० U.P.A सरकार ने शासन करने के लिए किन - किन सिद्धान्तों को जन्म दिया।

(i) सामाजिक एकता व शांति का संरक्षण बचाव और बढ़ावा देना
(ii) मौलिकतावाद को रोकना
(iii) प्रतिवर्ष कम से कम 7 से 8 प्रतिशत की दर से विकास को योजनात्मक रूप से इस ढंग से विकसित करना जो रोजगार को जन्म दे सके ताकि प्रत्येक परिवार को सुरक्षात्मक तथा व्यवहार्य जीवन यापन का आश्वासन प्राप्त हो।
(iv) स्त्रियों को पूर्णतः राजनीतिक शैक्षिक आर्थिक तथा कानूनी रूप से सशक्त बनाए जाएं
(v) अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़ा वर्ग तथा धार्मिक अल्पसंख्यकों को पूर्ण समानता का अवसर विशेषकर शिक्षा तथा रोजगार की क्षेत्र में दी जाए।